सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 281 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 22 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।

-जवाहरलाल नेहरु

सिंगापुर जाने से पहले टेंशन में... 7 | निकाय चुनाव के बहाने जनाधार... 3 | राहुल व गांधी परिवार से अमेठी को... 2

उपचुनाव के नतीजे बताएंगे सपा अपने गढ़ में कितनी मजबूत

अखिलेश सहित सपा का राजनीतिक भविष्य भी तय करेंगी तीनों सीटें

» शिवपाल के राजनीतिक कद के साथ बढ़ेगा कार्यकर्ताओं का मनोबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का उपचुनाव सपा का राजनीतिक भविष्य तय करेगा। मैनपुरी लोकसभा और खतौली व रामपुर विधानसभा के उपचुनाव के नतीजे यह बता देंगे कि अपने गढ़ में सपा कितनी मजबूत है। इन तीनों सीटों से ही समाजवादी पार्टी की भविष्य की दशा-दिशा तय होगी। अगर सपा उपचुनाव की सभी सीटें जीत लेती है तो उसके कार्यकर्ताओं के टूटे हौसले एक बार फिर वापस आएंगे। राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि अखिलेश ने चाचा को मनाकर ये बता दिया है कि हम एक है और परिवार भी।

हालांकि विधानसभा चुनाव में अखिलेश के साथ जाने को बड़ी भूल बताने वाले शिवपाल अब अपने बेटे आदित्य के साथ ही अपनी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं का भी सपा में सम्मान चाहते हैं, इसलिए वह अखिलेश की ओर से पहल का इंतजार कर रहे थे। अब दोनों के साथ आने से यदि डिंपल को जसवंतनगर से मुलायम को मिले 62,126 मतों की बढ़त से अधिक वोट मिलते हैं तो सपा में शिवपाल का कद और बढ़ना तय माना जा रहा है। इसके अलावा सपा ने खतौली सीट गठबंधन के साथी राष्ट्रीय लोकदल को देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि रालोद के साथ उसका गठबंधन भविष्य में भी बना रहेगा। इस सीट पर गठबंधन की जीत से यह संदेश तो जाएगा ही कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को पश्चिम उत्तर प्रदेश में उससे बड़ी चुनौती मिलेगी। आजम खां के प्रभाव वाली मुस्लिम बहुल रामपुर सीट पर सपा जीत दर्ज कर यह साबित करने की कोशिश करेगी कि परंपरागत मुस्लिम वोटबैंक उसके साथ ही है। स्लिम व यादव मतदाताओं में पकड़ बरकरार है।

आजमगढ़ की गलती यहां नहीं दोहराएगी सपा

आजमगढ़ व रामपुर लोकसभा उपचुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। अपने ही गढ़ में हारने से पार्टी कार्यकर्ताओं के हौसले टूटे हैं। वहीं अखिलेश पर ओमप्रकाश राजभर सहित कई लोगों ने निशाना साधा था कि अब तो अपने किले ही सुरक्षित नहीं। ऐसे में परिस्थितियों को समझते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बार कोई चूक नहीं करना चाहते हैं। वह जानते हैं कि मैनपुरी उपचुनाव भी हारने पर उनके लिए आगे की राह मुश्किल हो जाएगी। पत्नी डिंपल यादव को मैदान में उतारने के साथ ही अखिलेश वहां डेरा जमाकर खुद चुनाव प्रबंधन की कमान संभाल रखी है। वहीं रूठे चाचा शिवपाल को भी मना लिया है।

अखिलेश ने नाराज चाचा को मनाने की पहल की

अखिलेश व शिवपाल के एक मंच पर आने के पीछे कहीं दोनों की मजबूरी तो नहीं है। अखिलेश के सामने मैनपुरी की विरासत बचाने व शिवपाल के सामने अकेले अपनी राजनीति को बचाने की बड़ी चुनौती दिखती है। अखिलेश अच्छे से समझते हैं कि डिंपल को मैनपुरी में जिताना चाचा शिवपाल के बगैर आसान नहीं है। आजमगढ़ व रामपुर लोकसभा उपचुनाव भाजपा से हारने के पीछे कहीं न कहीं शिवपाल का साथ न होना भी माना ही जाता है। मैनपुरी में सपा की जीत में जसवंतनगर विधानसभा सीट की अहम भूमिका होती है। शिवपाल 1996 से लगातार यहीं से विधायक हैं। इसलिए अखिलेश ने अपने नाराज चाचा को मनाने की पहल की।

भाजपा का पैंतरा फेल होगा या पास

भाजपा ने मैनपुरी में इस बार मुलायम की पुत्रवधू डिंपल यादव के आगे सपा के बागी रघुराज सिंह शाक्य को उतारा है। रघुराज दो बार सपा के टिकट पर सांसद और एक बार विधायक भी रह चुके हैं। भाजपा के जिला संगठन से लेकर राष्ट्रीय संगठन में शामिल नेताओं का दावा है कि इस बार मैनपुरी में कमल खिलेगा। अब देखना ये है कि भाजपा का जो पैंतरा हर बार फेल साबित हुआ, इस बार कितना काम आता है।

उत्तर प्रदेश में तबादले जारी

चार मंडलायुक्त सहित छह आईएएस अफसरों का ट्रांसफर

» अयोध्या, अलीगढ़ और बस्ती मंडल में नए आयुक्त तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने आज भी छह आईएएस अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। तबादले में अयोध्या के कमिश्नर को भी बदला गया है। अयोध्या, अलीगढ़ और बस्ती मंडल में नए आयुक्त तैनात किए गए हैं।

विंध्याचल मंडल में भी प्रभारी आयुक्त की तैनाती की गई है। अलीगढ़ के कमिश्नर गौरव दयाल को अयोध्या के कमिश्नर पद पर तैनात किया गया है। अयोध्या के कमिश्नर रिनवा को गौरव दयाल के स्थान पर अलीगढ़ भेजा गया है। विंध्याचल मंडल के आयुक्त योगेश्वर राम मिश्रा को बस्ती मंडल के आयुक्त पद पर तैनाती दी गई है। प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. को प्रभारी आयुक्त विंध्याचल मंडल, मिर्जापुर के पद पर भेजा गया है।

युवाओं को गवर्नमेंट जॉब देने के लिए मिशन मोड में काम कर रही सरकार: पीएम मोदी

» भारत के पास नए अवसरों को बढ़ावा देने का अवसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रोजगार मेले के तहत युवाओं को बड़ा तोहफा दिया है। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 71,000 नवनियुक्त कैंडिडेट्स को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर पीएम मोदी ने इन कैंडिडेट्स को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि आपको यह नई जिम्मेदारी एक खास दौर में मिल रही है। देश अमृत काल में प्रवेश कर गया है।

हम नागरिकों ने इस अवधि में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को प्राप्त करने के लिए आप देश के सारथी बनने जा रहे हैं। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि आज का ये विशाल रोजगार मेला दिखाता है कि सरकार किस तरह गवर्नमेंट जॉब देने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। रोजगार मेले में पीएम मोदी ने कहा कि देश की बाकी जनता के सामने आप सभी जो इस नई जिम्मेदारी को उठाने जा रहे हैं, उन्हें एक तरह से केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया जा रहा है। साथ ही कहा कि महामारी और युद्ध के बीच दुनियाभर के युवाओं के सामने नए अवसरों का संकट है। विकसित देशों में भी विशेषज्ञों को एक बड़े संकट की आशंका है। अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत के पास आर्थिक क्षमता प्रदर्शित करने और नए अवसरों को बढ़ावा देने का सुनहरा अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्ट-अप्स से लेकर स्वरोजगार तक, स्पेस से लेकर ड्रोन तक आज भारत में युवाओं के लिए चौतरफा अवसरों का निर्माण हो रहा है।

बृजेश पाठक बोले- सीएचसी पर होगी महिलाओं की निशुल्क अल्ट्रासाउंड जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं को पीपीपी मॉडल पर निशुल्क अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा दी जाएगी। इन केन्द्रों को नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की तरफ से बजट दिया जाएगा। सरकारी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं का निशुल्क इलाज का प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्र के सभी अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा नहीं है। महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया जाता है। अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पीपीपी मॉडल पर अल्ट्रासाउंड जांच की व्यवस्था की गई है। यहां गर्भवती महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस में जांच करा सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जांच की व्यवस्था मुकम्मल की जाए। अस्पताल आने वाली महिलाओं को जांच के लिए किसी तरह की समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्युदर के आंकड़ों में कमी लाने के लिए लगातार प्रयास दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

आय के स्त्रोत की जांच करवाएगी सरकार

प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। प्रदेशभर में जो 8,441 गैर मान्यता प्राप्त मदरसे मिले हैं, उनमें 1500 से अधिक मदरसे नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में है। ज्यादातर मदरसों से जब उनकी आय का स्त्रोत पूछा गया तो उन्होंने जकात बताया। वहीं अब पता लगाया जाएगा की इन मदरसों में जकात कहां से मिल रही है, क्योंकि मामला कहीं ना कहीं इंटरनल सिक्योरिटी से भी जुड़ जाता है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि जो सीमावर्ती क्षेत्र हैं वहां पर मदरसों के माध्यम से असामाजिक और गैर कानूनी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे सभी मदरसों को चिन्हित किया गया है।

बिना किसी कारण के हो रही हैं गिरफ्तारियां : यूयू ललित

» पूर्व सीजेआई बोले, आपराधिक रंग से बढ़ रहा न्यायिक प्रणाली पर बोझ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने कहा कि हाल के दिनों में दीवानी विवादों को आपराधिक रंग दिया जा रहा है और बिना किसी कारण के गिरफ्तारियां की जा रही हैं जो न्यायिक प्रणाली पर बोझ डालती हैं। पूर्व सीजेआई बॉम्बे हाईकोर्ट में मेकिंग क्रिमिनल जस्टिस इफेक्टिव विषय पर देसाई मेमोरियल लेक्चर में बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने कहा कि जमानत नियम है और जेल एक अपवाद है और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उदाहरण दिया, जिसमें एलगार परिषद-माओवादी लिंक मामले में एक आरोपी गौतम नवलखा को घर में नजरबंद करने की अनुमति दी गई थी। यह देखते हुए कि आपराधिक न्याय प्रणाली एक सभ्य समाज की रीढ़ है, हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एक प्रेरित, पक्षपाती या उदासीन न्यायिक प्रणाली न्याय नहीं दे पाएगी और इससे निर्दोष व्यक्तियों की गिरफ्तारी होगी। उन्होंने एक मामले में गिरफ्तारी करते समय पुलिस के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित कई निर्णयों के बारे में भी बताया। सीजे दत्ता ने कहा कि गौतम नवलखा मामले में भी उचित मामलों में घर में नजरबंदी का सहारा लेने पर जोर दिया गया है। अगर एक कुशल और प्रभावी आपराधिक न्याय प्रणाली नहीं हुई तो यह कानून के शासन को अराजकता के शासन में बदल देगा। पूर्व सीजेआई ललित ने कहा कि हाल के दिनों में गिरफ्तारियां स्वाभाविक रूप से बार-बार और बिना किसी कारण के की जाती रही हैं। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी यह देखे बिना की जाती है कि क्या इसकी आवश्यकता है। दीवानी विवादों को आपराधिक मामलों के रूप में पेश किया जाता है और यह न्यायिक प्रणाली पर बोझ डालता है। पूर्व सीजेआई ने कहा कि भारतीय जेलों में 80 प्रतिशत कैदी विचाराधीन हैं जबकि शेष दोषी हैं। उन्होंने कहा कि सजा की दर 27 फीसदी है, जिसका मतलब है कि 100 में से 56 विचाराधीन कैदी किसी न किसी कारण से बरी होने जा रहे हैं, लेकिन फिर भी वे जेलों में सड़ रहे हैं।

सुधार में बदलाव की आवश्यकता

पूर्व सीजेआई ने कहा कि बिल्ली को चूहे पकड़ने के लिए बनाया जाता है। लेकिन चूहे के पीछा करने के दस साल बाद अगर बिल्ली को पता चलता है कि चूहा वास्तव में खरगोश था तो यह समाज के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट यांत्रिक रूप से रिमांड देते हैं और शायद ही कभी जांच दल से सवाल करते हैं कि हिरासत की आवश्यकता क्यों है और जांच में क्या प्रगति हुई है। पूर्व सीजेआई ने कहा कि जांच से लेकर अंतिम दोषसिद्धि तक आपराधिक प्रणाली के कुछ क्षेत्रों में रवैया या पाठ्यक्रम सुधार में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सफेदपोश अपराधों और कुछ वैज्ञानिक पहलुओं वाले मामलों में बढ़ोतरी के साथ मुझे नहीं लगता कि हमारी पुलिस जांच प्रणाली में ऐसे मामलों की जांच करने के लिए विशेषज्ञता या वह प्रशिक्षित है।

मैनपुरी के चुनाव पर निर्भर है बीजेपी का भविष्य : राम गोपाल

» वोटिंग से पहले सपा का ईवीएम राग, बीजेपी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी उपचुनाव के लिए यादव परिवार एकजुट दिखाई दे रहा है। समाजवादी पार्टी के लिए अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव साथ प्रचार करते हुए नजर आए। वहीं राम गोपाल यादव भी चुनाव प्रचार के दौरान नजर आए हैं, लेकिन सपा महासचिव का एक बयान काफी चर्चा में है। सपा महासचिव ने एक बार फिर ईवीएम पर सवाल खड़े किए हैं।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने मैनपुरी स्थित भोगांव में प्रचार के दौरान ईवीएम पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सब दांव पर लगा दीजिए, जो एजेंट बने वो डिब्बे और ईवीएम पर नजर रखे। आप सभी साथ-साथ उसे जमा कराने जाएं। बेईमानी हो जाती है और जमा करते वक्त बदल दी जाती है। इसलिए अपने मशीन का फोटो खींच लीजिए। उसके बाद मशीन सील हो जाती है तो पीछे-पीछे जाएं और जमा कराएं। राम गोपाल ने कहा, आपको असली बात बता रहा हूं कि अगर ये किया होता तो आज हमारी सरकार राज्य में होती। मैनपुरी के चुनाव पर बीजेपी का भविष्य निर्भर है। मैं आप सबसे ये प्रार्थना करता हूं कि ये नेताजी का क्षेत्र है। नेताजी के निधन की वजह से ही चुनाव हो रहा है।

राहुल व गांधी परिवार से अमेठी को मिला सिर्फ धोखा : स्मृति ईरानी

» केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को घेरा, कहा- गांधी परिवार ने देश की तिजोरी लूटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने संसदीय क्षेत्र पहुंची केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राहुल व गांधी परिवार ने अमेठी की जनता को सिर्फ धोखा दिया। यह परिवार महज पांच साल में एक बार ही अमेठी की जनता को दर्शन देने आता था। गांधी परिवार ने देश की तिजोरी लूटी है। वह डीह ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में 6.65 करोड़ की लागत से कराए गए कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सेदारी के बाद मीडिया से बातचीत कर रही थीं।

उन्होंने बताया कि उनके सांसद बनने से पहले अमेठी संसदीय क्षेत्र में एक मॉडल विद्यालय का निर्माण हुआ था। इसके निर्माण में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी मिलने के बाद इस मामले की जांच अब सीबीआई कर रही है। यह विद्यालय तभी बना था, जब राहुल गांधी अमेठी से सांसद थे। आज अमेठी की जनता उन्हें दीदी कहकर पुकारती है और उन्हें अपना आशीर्वाद देती है क्योंकि वह यहां के लोगों को सुख-दुख सांझा करने को हर समय सुलभ रहती हैं। कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चलते देश व प्रदेश में तेजी के साथ विकास कार्य हो रहे हैं। ब्लॉक मुख्यालय पहुंचीं मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कल्याणकारी कार्यों की जागरूकता के लिए लगे स्टालों का अवलोकन भी किया। केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश में कायाकल्प योजना में प्रथम स्थान पाने वाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीह के अधीक्षक डॉ. तारिक इकबाल, ब्लॉक नोडल अधिकारी रामबरन रावत, प्रदीप कुमार पांडेय को प्रतीक चिन्ह और प्रमाणपत्र देने के साथ ही पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को आवंटन पत्र वितरित किए।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

डिंपल और शाक्य समेत छह प्रत्याशी हैं मैनपुरी के रण में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव के लिए दाखिल किए गए नामांकन को वापस लेने के लिए कल अंतिम दिन था। लेकिन किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी छह प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर सूची चस्पा करा दी। अब सीधे पांच दिसंबर को मतदान होगा।

उप चुनाव के लिए कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए थे। इसमें सपा प्रत्याशी डिंपल यादव और भाजपा प्रत्याशी रघुराज शाक्य समेत छह प्रत्याशियों के नामांकन ही जांच में वैध पाए गए थे। अन्य सात नामांकन जांच में निरस्त कर दिए गए थे। 18 नवंबर को जांच पूरी होने के बाद नामांकन वापसी के लिए 21 नवंबर तक का समय चुनाव आयोग ने दिया था। सोमवार को नामांकन वापसी का अंतिम दिन था। लेकिन शाम तक छह प्रत्याशियों में से किसी ने भी अपना नाम वापस नहीं लिया।

गुजरात में भी सपा ने उतारे उम्मीदवार

» यूपी के बाद सपा की अन्य राज्यों में पांव जमाने की तैयारी

» 20 सीट पर पार्टी के प्रत्याशी मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने यूपी के अलावा अन्य राज्यों में पैर जमाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए ज्यादा से ज्यादा राज्यों में चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई गई है। इस क्रम में सभी राज्यों में कार्यकर्ता सम्मेलन भी कराए जाएंगे। पार्टी की रणनीति है कि यूपी के अलावा महाराष्ट्र में भी पार्टी को कामयाबी मिली है। इसी तरह अन्य राज्यों में भी विधायक चुने गए तो इसका फायदा लोकसभा चुनाव में मिल सकता है। इस रणनीति के तहत पार्टी ने अब गुजरात में भी उम्मीदवार उतारे हैं।

यहां की 182 सीटों में से पार्टी ने 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, लेकिन 10 उम्मीदवारों के पर्चे अलग-अलग कारणों से खारिज हो गए हैं। अब 20 सीट पर पार्टी के प्रत्याशी मैदान में हैं। पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय ने बताया कि कुतियाना सीट पर निर्वतमान विधायक कांधल भाई जडेजा इस बार सपा से मैदान में हैं। इसी तरह अबदासा, तेजपुर, तेजपुर, पाटन, अमराई बाड़ी सहित अन्य सीटों पर भी पार्टी प्रबल दावेदार है।

मैनपुरी में शिवपाल के साथ मंच पर आए अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव मैनपुरी की जनसभा में एक मंच पर आए। चाचा भतीजे ने रिश्तों में किसी तरह की दूरी होने से इनकार किया। जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि चाचा भतीजे का रिश्ता हमेशा से प्रगाढ़ रहा है। यह अलग बात है कि राजनीतिक रूप से कई बार बदलाव दिखाई पड़ता है। हम राजनीतिक रूप से दूर थे लेकिन अब दूरियां खत्म हो गई हैं। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव नेताजी का चुनाव है। जनता ने कहा कि सभी लोग एक हो जाओ। अब हम सभी एक हैं। इसलिए जनता से गुजारिश है कि बहू डिंपल को जिता देना। यही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मध्य प्रदेश में 50 सीटों का लक्ष्य

मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर सपा चुनाव लड़ेगी, लेकिन यहां की 50 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई गई है। यहां जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू हो गए हैं, इसमें यूपी के नेताओं को भी भेजा जा रहा है। मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव डॉ. मनोज यादव ने बताया कि 50 सीटों पर यादव-मुस्लिम एवं अन्य पिछड़ी जातियों की संख्या अधिक है। ये सीटें यूपी की सीमा से भी सटी हैं। यहां पहले भी सपा को जनता का समर्थन मिलता रहा है। इसलिए यहां माइक्रो लेवल पर तैयारी हो रही है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी तैयारी

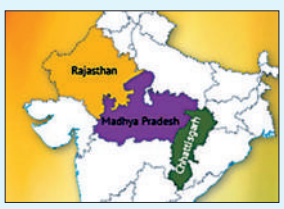

सपा महाराष्ट्र में निरंतर चुनाव लड़ती रही है। यहां पार्टी के विधायक और सांसद भी हैं। महाराष्ट्र की तर्ज पर ही राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में भी पार्टी नेताओं को चुनावी तैयारी तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

निकाय चुनाव के बहाने जनाधार बढ़ाने की कोशिश में आरजेडी और जेडीयू

» पार्टी ने बढ़ाई प्रदेश में सक्रियता, तलाशे जा रहे हैं बेहतर चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक जमीन तलाश रहे राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड को यहां होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से बड़ी संभावनाएं दिख रही हैं। उत्तर प्रदेश में स्थापित बड़े दलों से इतर, बिहार के इन दोनों प्रमुख दलों ने चुनाव के मद्देनजर बिना ढोल पीटे अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड ने उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान को तेज किया गया है और निकाय चुनाव के लिए बेहतर चेहरे तलाशे जा रहे हैं। अन्य दलों से दूसरे और तीसरे दर्जे के नेताओं पर भी राजद-जदयू की निगाहें है। निकाय चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा या कांग्रेस के टिकट से वंचित नेताओं को जदयू व राजद अपने दल का प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगा

अल्पसंख्यक क्षेत्रों में अधिक सक्रियता

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह निकाय चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भर में भ्रमण कर रहे हैं। ओबीसी और अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में इनकी सक्रियता कुछ अधिक ही देखी जा रही है। अशोक सिंह दावा करते हैं निकाय चुनाव में उनकी प्रदेश के तकरीबन सभी जिलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। दूसरे दलों से आने वाले अच्छे नेताओं का भी उन्होंने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद यह तय किया जाएगा कि राजद प्रदेश में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

अधिसूचना जारी होने का बेसब्री से इंतजार

बता दें कि यूपी में 17 नगर निगम, 200 से ज्यादा नगर पालिका और 517 नगर पंचायत हैं। यहां निकाय चुनाव की प्रक्रिया को 5 जनवरी से पहले ही पूरा हो जाना है। सभी राजनीतिक दल नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी शुरू होने वाला है। मैनपुरी, खतौली और रामपुर में उपचुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में दिसंबर के आखिर तक अधिसूचना जारी हो सकती है।

अभी सदस्यता अभियान पर फोकस

वहीं, जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर जदयू पूरी तरह से तैयार है। अधिसूचना जारी होने के बाद हम अपनी रणनीति साझा करेंगे। अभी हमारा फोकस सदस्यता अभियान पर है। सदस्यता अभियान के तहत पूरे प्रदेश में हम सवा करोड़ का आंकड़ा प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। पार्टी के केंद्रीय नेताओं के दौरे भी प्रदेश में लगातार होते रहेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आप से भाजपा कांग्रेस परेशान

गुजरात में मतदान को नौ दिन बाकी हैं। चुनावी रैलियों में भाजपा-कांग्रेस के बीच जुबानी जंग चल रही है तो वहीं आम आदमी पार्टी भी मैदान में डटी हुई है। बीजेपी जहां दिन-रात प्रचार करने में जुटी हैं तो वहीं कांग्रेस को तो जैसे सांप सूंघा है वो न दिख रही है, न बोल रही है और छप भी सबसे कम रही है। पांच साल पहले के चुनावों में लगभग सभी 182 सीटों पर अपना वोट बैंक साबित कर चुकी कांग्रेस के इस सन्नाटे-पूर्ण प्रचार से ना तो मोरबी पुल हादसे मुद्दा बनता दिख रहा है और ना ही बिल्किस बानो के अपराधियों की 'बाइज़्ज़त' रिहाई। कांग्रेस की इसी रणनीति का फायदा उठाने में आम आदमी पार्टी लगी है। शहरी मुस्लिम इलाकों में हर घर पहुंचकर वो ये साबित कर रही है कि कांग्रेस नहीं, आप ही आपका भला करेगी। शहरी इलाकों में गरीब और आम वर्ग में आप लोकप्रिय हुई है और उसकी लोकप्रियता का कारण फ्री वाला फॉर्मूला भी है। बीजेपी अगर स्थानीय मसलों की बात करेगी या काम गिनाने पर आएगी तो जाहिर तौर पर 27 साल की राज्य की और 8 साल की केंद्र की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना होगा, मोरबी पर सफाई देनी होगी की अबतक अजंता कंपनी के मालिक जसूभाई पटेल की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? इसका भी जवाब जनता चाहेगी। चुनाव के ठीक पहले समान नागरिक संहिता जैसे राष्ट्रीय मुद्दे को बीजेपी ने उछाला है ताकि वोटों का धुर्वीकरण हो, राष्ट्रीय मुद्दे पर बहस हो और अपने हिंदूवादी वोट बैंक को साधा जाए। बीजेपी के पक्ष में भी यही जा रहा है अल्पसंख्यकों के वोट में कांग्रेस और आप में बंटवारा और बहुसंख्यक वोटों की लामबंदी।

हिमाचल के मतदान तो संपन्न भी हो गए हैं और वहां मतगणना का इंतजार किया जा रहा है, जो आठ दिसंबर को गुजरात की मतगणना के साथ ही होगा। लेकिन गुजरात में अभी मतदान होना है। जितने लोग वहां सत्ता परिवर्तन की बात कह रहे थे, उतने ही लोग भाजपा की दोबारा वापसी की बात कर रहे है। हिमाचल के चुनाव में महिलाओं को लुभाने के लिए भाजपा एवं कांग्रेस, दोनों ने बढ़-चढ़कर वादे किए। लेकिन कांग्रेस के पास मजबूत संगठन नहीं है। हालांकि हिमाचल में तो फिर भी संगठन है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार में संगठन नहीं है। इस कारण कांग्रेस अपने मतदाताओं को घर से बाहर निकालकर बूथ तक लाने और मतदान कराने के मामले में मात खा जाती है, जबकि भाजपा का संगठन बहुत मजबूत है। यों तो हिमाचल एक छोटा-सा राज्य है, जहां मात्र 68 सीटें हैं, लेकिन इस बार उसका महत्व बढ़ गया है, क्योंकि वहां जिसकी भी जीत होगी, उसके लिए मनोबल बढ़ाने का काम करेगा। अगर वहां कांग्रेस जीत जाती है, तो न केवल उसे एक और राज्य मिलेगा, बल्कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भी इसका श्रेय मिलेगा। लेकिन अगर सत्ता विरोधी रुझान के बावजूद भाजपा दोबारा सत्ता में वापस आती है, तो यह उसके लिए भी मनोबल बढ़ाने का काम करेगा। बेशक 27 साल से सत्ता में रहने के कारण वहां सत्ता विरोधी रुझान स्वाभाविक है। लेकिन अंतिम क्षण में हमेशा नरेंद्र मोदी के मैदान में उतरने से स्थिति नाटकीय रूप से बदल जाती है, क्योंकि तमाम विरोध के बावजूद लोग नेतृत्व के सवाल पर भाजपा के पाले में चले जाते हैं। पिछली बार भी यही हुआ था। पिछली बार गुजरात में तीन युवा नेता-हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवाणी भाजपा के खिलाफ मैदान में थे, जिन्होंने कांग्रेस के पक्ष में चुनाव का रुख मोड़ दिया था। यदि कांग्रेस गुजरात व हिमाचल जीत जाती है, तो निश्चित रूप से उसका मनोबल बढ़ेगा।

गुजरात में मतदान को नौ दिन बाकी हैं। चुनावी रैलियों में भाजपा-कांग्रेस के बीच जुबानी जंग चल रही है तो वहीं आम आदमी पार्टी भी मैदान में डटी हुई है। बीजेपी जहां दिन-रात प्रचार करने में जुटी हैं तो वहीं कांग्रेस को तो जैसे सांप सूंघा है वो न दिख रही है, न बोल रही है और छप भी सबसे कम रही है। पांच साल पहले के चुनावों में लगभग सभी 182 सीटों पर अपना वोट बैंक साबित कर चुकी कांग्रेस के इस सन्नाटे-पूर्ण प्रचार से ना तो मोरबी पुल हादसे मुद्दा बनता दिख रहा है और ना ही बिल्किस बानो के अपराधियों की 'बाइज्जत' रिहाई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इतने बड़े घोटालों की जांच में पक्षपात क्यों?

विनीत नारायण

बैंकों का धन लूटकर विदेशों में धन शोधन करने वाले बड़े औद्योगिक घरानों की जांच को लेकर जांच एजेंसियां आए दिन विवादों में घिरी रहती हैं। मामला नीरव मोदी का हो, विजय माल्या का हो या मेहुल चोक्सी का हो, इन भगोड़े वित्तीय अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने में हमारे देश की बड़ी जांच एजेंसियां लगातार विफल रही हैं। ऐसी नाकामी के कारण ही इन एजेंसियों पर चुनिन्दा आरोपियों के खिलाफ ही कारवाई करने के आरोप भी लगते रहे हैं। पिछले दिनों कानपुर की रोटोमैक पेन कंपनी के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 750 करोड़ रुपए से अधिक के बैंक फ्रॉड का मामला दर्ज किया है। पेन बनाने वाली इस नामी कंपनी पर आरोप है कि इन्होंने कई बैंकों से ऋण लेकर आज तक नहीं लौटाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 7 बैंकों के समूह के लगभग 2919 करोड़ रुपये इस कंपनी पर बकाया हैं। गौरतलब है कि बैंक फ्रॉड का यह मामला नया नहीं है। बैंक को चूना लगाने वाली यह कंपनी जून 2016 में ही नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) घोषित कर दी गई थी। छह साल बाद 2022 में जब सीबीआई द्वारा इस कंपनी पर कार्यवाही शुरू हुई। तब तक कंपनी के कर्ताधर्ता विक्रम कोठारी का निधन भी हो चुका था। जांच और कार्यवाही में देरी के कारण बैंकों को करोड़ों का चूना लग चुका था।

देश में कोठारी जैसे अनेक लोग हैं जो बैंक से लोन लेते हैं। यदि वो छोटे-मोटे लोन लेने वाले व्यापारी होते हैं तो उनके खिलाफ बहुत जल्द कड़ी कार्यवाही की जाती है। परंतु आमतौर पर ऐसा देखा गया है कि बैंकों के धन की बड़ी चोरी करने वाले आसानी से जाँच एजेंसियों के हत्थे नहीं चढ़ते। इसका कारण, बैंक अधिकारी और व्यापारी की सांठ-गांठ होता है। ऋण लेने वाला व्यापारी बैंक के अधिकारी को मोटी रिश्वत के भार के तले दबा कर अपना काम करा लेता है और किसी को कानों-कान खबर नहीं होती। जब ऋण और उस पर ब्याज मिला कर रकम बहुत बड़ी हो जाती है तो तेजी से कार्यवाही करने का नाटक किया जाता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। रोटोमैक कांड के आरोपियों की सूची में कानपुर का एक और समूह है जिस पर जांच एजेंसियों की कड़ी नजर नहीं पड़ी। आरोप है कि इस समूह ने विभिन्न बैंकों के साथ सात हजार करोड़ से अधिक रुपये का घोटाला किया है। इस समूह ने फर्जी कंपनियों का जाल बिछा कर बैंकों के साथ धोखा किया है। इस समूह के मुख्य आरोपियों, उदय देसाई और सरल वर्मा की कंपनियां- एफटीए एचएसआरपी सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और एग्रोस इम्पेक्स इंडिया लिमिटेड, रोटोमैक कांड के सह-अभियुक्त भी हैं। इसके चलते इनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। लेकिन कोविड और स्वास्थ्य कारणों के चलते इन्हें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जमानत दी गई। गौरतलब है कि सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और गंभीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय

(एसएफआईओ) में इस समूह के खलाफ 2019 से विभिन्न बैंकों द्वारा 8 एफ़आईआर दायर हो चुकी हैं। परंतु वर्मा और देसाई बंधुओं पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। उदय देसाई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में विदेश जाने की गुहार लगा कर एक याचिका दायर की। कोर्ट ने जुलाई 2022 के अपने आदेश में याचिका रद्द करते हुए इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि विभिन्न जांच एजेंसियों में लंबित पड़े अनेक गंभीर मामलों के बावजूद आरोपियों को केवल एक ही बार पूछताछ के लिए बुलाया गया।

जांच एजेंसियों ने सघन जांच और पूछताछ की शुरुआत ही नहीं की। सोचने वाली बात है कि हजारों करोड़ के घोटाले के आरोपियों को केवल एक ही बार बुला जांच एजेंसियों को इस बात का इत्मीनान हो गया कि आरोपियों को दोबारा पूछताछ के लिए नहीं बुलाना चाहिए? क्या एक ही बार में पूछताछ से जाँच एजेंसियां संतुष्ट हो गई? क्या आरोपी एक ही बार में एजेंसियों के 'कड़े सवालों' का संतोषजनक जवाब दे पाये? क्या ये प्रमुख जांच एजेंसियां सभी आरोपियों से ऐसे ही, केवल एक बार ही जांच और पूछताछ करती हैं? इससे कहीं छोटे मामलों में विपक्षी नेताओं या नामचीन लोगों के खिलाफ भी इन एजेंसियों का क्या यही रवैया रहता है? क्या इन आरोपियों की करोड़ों संपत्ति को ज़ब्त किया गया? क्या इनकी बेनामी संपत्तियों तक ये एजेंसियां पहुंच पाईं? सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमयी मृत्यु के बाद जिस तरह बॉलीवुड के सितारों को लगातार पूछताछ के लिए बुलाया गया था क्या वैसा कुछ इनके भी साथ हुआ? अगर नहीं तो क्यों नहीं?

केंद्र में जो भी सरकार रही हो, उस पर इन जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगता रहा है। जैसा हमने पिछली बार भी लिखा था कि मौजूदा सरकार पर विपक्ष द्वारा यह आरोप बार-बार लगातार लग रहा है कि वो कुछ चुनिन्दा लोगों पर, अपने राजनीतिक प्रतीद्वंदियों या अपने विरुद्ध खबर छापने वाले मीडिया प्रथिष्ठानों के खलाफ इन एजेंसियों का लगातार दुरुपयोग कर रही है। जांच एजेंसियों में लंबित पड़े अन्य मामलों को छोड़ अगर देसाई और वर्मा बंधुओं के मामले को ही लें तो यह बात सच साबित होती है। दिल्ली के 'कालचक्र समाचार ब्यूरो' के प्रबंधकीय संपादक रजनीश कपूर को जब एफटीए एचएसआरपी सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और एग्रोस इम्पेक्स इंडिया लिमिटेड के घोटालों से संबंधित सभी दस्तावेज़ मिले तो उन्होंने इन आरोपों को सही पाया। कपूर ने 6 मई 2022 को इन सभी एजेंसियों को सप्रमाण पत्र लिख कर देसाई और वर्मा द्वारा किए गए हजारों करोड़ रुपये के घोटालों की जांच की मांग की थी। ऐसे में अपनी 'योग्यता' के लिए प्रसिद्ध देश की प्रमुख जांच एजेंसियां शक के घेरे में आ जाती हैं। इन एजेंसियों पर विपक्ष द्वारा लगाए गए 'गलत इस्तेमाल' के आरोप सही लगते हैं। मामला चाहे छोटे घोटाले का हो या बड़े घोटाले का, एक ही अपराध के लिए दो मापदंड कैसे हो सकते हैं? यदि देश का आम आदमी या किसान बैंक द्वारा लिये गये ऋण चुकाने में असमर्थ होता है तो बैंक की शिकायत पर पुलिस या जांच एजेंसियां तुरंत कड़ी कार्यवाही करती हैं। उसकी दयनीय दशा की परवाह न करके कुर्की तक कर डालती हैं। परंतु बड़े घोटालेबाजों के साथ ऐसी सख्ती क्यों नहीं बरती जाती?

भाषा का संबंध हमारे जीवन से है

सुधा सिंह

हिंदी की व्यापकता, विस्तार, शक्ति, व्यवहार आदि के आकलन से सितंबर के महीने का मीडिया रंगा रहता है। पत्रकारिता और अनुवाद का बहुत बड़ा क्षेत्र है, जहां संयोग से हिंदी का बड़ा बाजार भी है। हाल में गीतांजलिश्री के हिंदी उपन्यास रेतसमाधि के अंग्रेजी अनुवाद को अनुवाद का बुकर पुरस्कार मिला है। इसे हिंदी की ताकत की तरह आंका जा रहा है। मीडिया के लोग सोचते हैं कि हिंदी का उनके लिए दाम ज्यादा है क्योंकि वह पचास करोड़ से ज्यादा लोगों की भाषा है।

मीडिया में किसी भी भाषा की महत्ता उसके बोलने वालों से जब आंकी जाती है, तो अचानक यह तथ्य भी संप्रेषित होता है कि भाषा से बड़ा तत्व जनसंख्या का है. भाषा को जनसंख्या बल के आधार पर देखने का तरीका मार्केटिंग का तरीका है. मार्केट को जनसंख्या से मतलब है, इसके बाद वे लोग कैसे हैं, उनकी दुनिया कैसी है, उनकी परंपरा क्या हैं, उनके सुख-दुख क्या हैं इत्यादि सवालों से मीडिया सर्जकों का बहुत कम लेना-देना होता है. भाषा माल उत्पादकों और क्रेताओं के बीच संपर्क, संवाद और संचार की धुरी है. इस धुरी के जरिये क्या दिया जा रहा है? कैसे दिया जा रहा है? न सब सवालों की ओर से हिंदी मीडिया ने अब आंखें बंद कर ली हैं. मीडिया को अपने ऑडिएंस की भाषा में संप्रेषण करना चाहिए लेकिन यदि एकमात्र भाषा बोलनेवालों की संख्या ही महत्वपूर्ण कारक है, ऑडिएंस की संस्कृति-सचेतनता से मीडिया का कोई सरोकार नहीं है, तो इसे मीडिया की कमजोरी ही कहा जायेगा। मीडिया में भाषा संचार का एक रूप है, किंतु इसकी शक्ति संबंधित भाषा-भाषी लोगों के जीवन यथार्थ के चित्रण से आती है. भाषा का अपने सामाजिक यथार्थ से गहरा रिश्ता होता है। कोई भी भाषा अपने व्यापक सामाजिक-आर्थिक सरोकारों से जुड़े सच को व्यक्त करके ही शक्ति अर्जित करती है। कोई लेखक हिंदी में लिखने मात्र से महान लेखक नहीं बन जाता। उसी तरह कोई भी अखबार, रेडियो, टीवी चैनल सिर्फ हिंदी में आने से ही हिंदी का भला नहीं करने लगता, बल्कि यह कहना ज्यादा सच होगा कि हिंदी तो एक ऊपरी आभूषण है, असल है हिंदीभाषी जनता का यथार्थ। यह सच है कि हिंदी चैनलों और अखबारों की बाढ़ आयी हुई है, किंतु इससे भी बड़ा सच यह है कि विगत कई वर्षों से हिंदी में कोई भी ऐसी खोजी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हुई है, जो पूरे देश का ध्यान खींच सके। इससे भी बड़ा सच यह है कि भूमंडलीकरण का जो रेला हिंदी मीडिया में चल रहा है, उसमें सांस्कृतिक गुलामी के बीज बोये जा रहे हैं. लगातार हमारे पास ऐसी खबरें आ रही हैं, जिन्हें सारवान खबरें नहीं कह सकते हैं। खबरों के ऐसे धुरंधर संवाददाता आ गये हैं, जिन्हें सही हिंदी बोलनी नहीं आती. इससे भी बड़ी बात यह है कि आज भी विज्ञापन में हिंदी सृजन की भाषा का दर्जा हासिल नहीं कर पायी है। ज्यादातर विज्ञापन अंग्रेजी में तैयार होते हैं, उनकी मूल सामग्री अंग्रेजी में तैयार होती है। कई हजार करोड़ का व्यापार करने वाला विज्ञापन उद्योग आजादी के पचहत्तर साल बाद भी हिंदी में सोच नहीं पाता। हिंदी में जब तक विज्ञापन नहीं सोचेगा, हिंदी के अपने विज्ञापन सर्जक तैयार नहीं होंगे, तब तक हिंदी के स्तर में सुधार नहीं आने वाला। टीवी चैनलों में हिंदी को लेकर हीनताबोध इस कदर हावी है कि ज्यादा चैनलों के कार्यक्रमों के नाम अंग्रेजी में हैं. मजेदार बात यह है कि वे अंग्रेजी में नाम लिखकर भी दिखाते हैं, नाम बोलते भी अंग्रेजी में हैं। दुखद बात यह है कि सांस्कृतिक गुलामी के लिए बच्चों को सीधे निशाना बनाया जा रहा है. बच्चों के डब कार्यक्रमों के पात्र जब हिंदी बोलते हैं, तो बेतुके लगते हैं क्योंकि उन कार्यक्रमों के बच्चों की दुनिया हिन्दीभाषी बच्चों की दुनिया से मेल ही नहीं खाती। भाषा प्रामाणिक यथार्थ से समृद्ध होती है। मीडिया नेटवर्क की पहुंच के आधार पर भाषा की समृद्धि का अंदाजा नहीं लगाया जाना चाहिए. भाषा बोलने से नहीं लिखने से समृद्ध होती है।

पेट दर्द कुछ दिन में ठीक नहीं होता है या ये इतना तेज है कि कोई काम नहीं कर पा रहे तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए

अचानक वजन कम होना, भूख न लगना, पेट में सूजन, और तेज दर्द भी किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है

कैसे पता चलेगा कि पेट दर्द गंभीर है?
पेट दर्द कितना गंभीर हो सकता है यह बिना जांच के पता लगाना मुश्किल होता है क्योंकि ऐसा बहुत सारी बीमारियों में होता है जिसमें वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस, फूड पॉइजनिंग, फूड एलर्जी और कब्ज शामिल हैं।

24 घंटे से ज्यादा रहने वाला पेट दर्द हो सकता है खतरनाक

अगर आपको 24 घंटे से अधिक समय तक उल्टी और दस्त रहता है तो इसको हल्के में ना लें। मल, पेशाब, उल्टी में खून आना, अचानक वजन कम होना, भूख न लगना, पेट में सूजन, लगातार बुखार रहना और तेज दर्द भी किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। कैलिफॉर्निया के पोमोना वैली हॉस्पिटल में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसीस डिपार्टमेंट की निदेशक डॉक्टर। निश्चिता मेरला कहती हैं, अगर आपका पेट दर्द कुछ दिन में ठीक नहीं होता है या ये इतना तेज है कि आप कोई काम नहीं कर पा रहे तो आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए। वो बताती हैं, पेट दर्द हमेशा पेट तक ही सीमित नहीं होता है। बहुत से लोग अक्सर पेट के पास हो रहे दर्द को पेट का दर्द समझते हैं लेकिन हो सकता है कि ये दर्द पास के किसी अंग में हो रहा हो और ये आपकी पसलियों और पेडू को प्रभावित कर सकता है।

कोलेसिस्टिटिस

कोलेसिस्टिटिस (पित्ताशय) एक ऐसी स्थिति है जिसमें पित्ताशय की थैली में सूजन हो जाती है और पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक असहनीय दर्द होने लगता है। यह कई बार दाहिने कंधे या पीठ तक भी पहुंच जाता है। इसके अलावा कोलेसिस्टिटिस के अन्य लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, उल्टी तेज से सांस लेने या खाना खाने के बाद उठने वाला दर्द शामिल हैं।

इरिटेबल बॉउल सिंड्रोम

इरिटेबल बॉउल सिंड्रोम हालांकि बहुत ज्यादा गंभीर बीमारी नहीं है लेकिन इसमें होने वाला दर्द आपको परेशान कर सकता है। आईबीएस एक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी है जो बड़ी आंत को प्रभावित करती है। IBS के कारण पेट के निचले हिस्से में दर्द हो सकता है। इसमें आपको पेट में ऐंठन, सूजन, गैस, डायरिया, कब्ज जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसके इलाज में दवाएं और एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं।

पेप्टिक अल्सर की बीमारी

ये बीमारी पेट के अंदर और छोटी आंत के पहले भाग में अल्सर या खुले घाव बनने के कारण होती है। इसमें पेट में दर्द जो खाना खाने पर और बढ़ जाता है। इसके अलावा मतली-उल्टी, सूजन, गैस, पेट में जलन और वजन घटना भी इसके लक्षण हैं। इसके इलाज के लिए आमतौर पर एसिड सप्रेसेंट दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। ये एसिड को कम करती हैं जिससे अल्सर ठीक हो जाता है।

बाउल ऑब्स्ट्रक्शन : बाउल ऑब्स्ट्रक्शन की स्थिति तब पैदा होती है जब शरीर में रेशेदार ऊतक जैसी कोई चीज आंतों को ब्लॉक कर देती है। इससे भोजन ठीक तरह से पच नहीं पाता और व्यक्ति को दर्द होने लगता है। यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है जिनकी कोई सर्जरी हुई हो और उसके बाद उनके अंदर स्कार टिश्यू (रेशेदार ऊतक) बन गए हों। (स्कार टिश्यू वो होते हैं जो किसी बीमारी या चोट के बाद आपके सामान्य टिश्यू की जगह बनते हैं)। इसमें पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द होता है। इसके अलावा लोगों को उल्टी, पेट में सूजन, गैस जैसी दिक्कतें भी होती हैं। इसके इलाज में डॉक्टर मरीज को IV fluids देता है। दरअसल IV fluids का मतलब एक ट्यूब के माध्यम से एक व्यक्ति की नसों में दवा को इंजेक्ट करना है।

सात गंभीर कारण और संकेत

यहां हम आपको पेट दर्द उन सात कारणों के बारे में बता रहे हैं जो गंभीर बीमारी का लक्षण होते हैं।

पैंक्रियाटाइटिस

पैंक्रियाटाइटिस की बीमारी में पैनक्रियास (अग्नाशय) में सूजन हो जाती है। इस बीमारी में तेज दर्द होता है जो आपके पेट के ऊपरी मध्य भाग में शुरू होता है और आपकी पीठ या छाती तक फैल सकता है। इसमें उल्टी, बुखार, पेट में सूजन, खराश और हृदय गति का तेज होना जैसे लक्षण भी शामिल हैं।

एपेंडिसाइटिस

एपेंडिसाइटिस अपेंडिक्स में सूजन के कारण होने वाली बीमारी है जो इलाज ना मिलने की स्थिति में भयानक हो जाती है। एपेंडिसाइटिस में पेट में तेज दर्द उठता है जो आमतौर पर नाभि के आसपास शुरू होता है और पेट के दाहिने निचले हिस्से तक महसूस होता है। इसके अलावा इस कंडीशन में लगातार दर्द होता है जो समय के साथ और बदतर हो जाता है। ये खांसने या चलने पर भी महसूस होता है। इसमें बुखार, भूख ना लगना, उल्टियां भी हो सकती हैं। एपेंडिसाइटिस को एक मेडिकल इमरजेंसी माना जाता है और हालात खराब होने पर सर्जरी से अपेंडिक्स को हटाया जाता है। अगर इसे बिना ट्रीटमेंट के छोड़ दिया जाए तो 48 से 72 घंटों के भीतर अपेंडिक्स फट भी सकता है।

डायवर्टीकुलिटिस

ये बीमारी तब होती है जब आंतों की दीवारों पर मौदूग छोटे उभरे हुए पाउच, जिन्हें डायवर्टीकुला कहा जाता है, उनमें सूजन हो जाती है। सूजन की वजह से आंत्र के कामकाज में रुकावट हो जाती है जिससे पेट में दर्द और कब्ज होता है। डायवर्टीकुलिटिस के अन्य लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, मतली और उल्टी, मल के साथ खून आना शामिल हैं। डायवर्टीकुलिटिस का इलाज बीमारी की गंभीरता पर निर्भर करता है। सामान्य तौर पर डॉक्टर रोगी को एंटीबायोटिक्स देते हैं। अधिक गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और उसकी सर्जरी भी की जा सकती है।

कहानी | गलत सलाहकार

जरूरी नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति सही फैसला करे आईये इस कहानी के माध्यम से इस बात को समझते है। एक आदमी सड़क के किनारे समोसा बेचा करता था। अनपढ़ होने की वजह से वह अखबार नहीं पढ़ता था। ऊंचा सुनने की वजह से रेडियो नहीं सुनता था और आंखें कमजोर होने की वजह से उसने कभी टेलीविजन भी नहीं देखा था। इसके बावजूद वह काफी समोसे बेच लेता था। उसकी बिक्री और नफे में लगातार बढ़ोतरी होती गई। उसने और ज्यादा आलू खरीदना शुरू किया, साथ ही पहले वाले चूल्हे से बड़ा और बढ़िया चूल्हा खरीद कर ले आया। उसका व्यापार लगातार बढ़ रहा था, तभी हाल ही में कॉलेज से बी. ए. की डिग्री हासिल कर चुका उसका बेटा पिता का हाथ बंटाने के लिए चला आया। उसके बाद एक अजीबोगरीब घटना घटी। बेटे ने उस आदमी से पूछा, पिताजी क्या आपको मालूम है कि हमलोग एक बड़ी मंदी का शिकार बनने वाले हैं? पिता ने जवाब दिया, नहीं, लेकिन मुझे उसके बारे में बताओ। बेटे ने कहा-अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियां बड़ी गंभीर हैं। घरेलू हालात तो और भी बुरे हैं। हमे आने वाले बुरे हालत का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उस आदमी ने सोचा कि बेटा कॉलेज जा चुका है, अखबार पड़ता है, और रेडियो सुनता है, इसलिए उसकी राय को हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। दूसरे दिन से उसने आलू की खरीद कम कर दी और अपना साइन बोर्ड नीचे उतार दिया। उसका जोश खत्म हो चुका था। जल्दी ही उसी दुकान पर आने वालों की तादाद घटने लगी और उसकी बिक्री तेजी से गिरने लगी। पिता ने बेटे से कहा, तुम सही कह रहे थे। हम लोग मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। मुझे खुशी है कि तुमने वक्त से पहले ही सचेत कर दिया।

हंसना मना है

टीचर: एक टोकरी में 10 आम थे, 3 सड़ गए तो कितने आम बचे? टीटू: 10 टीचर: अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे? टीटू: सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

टीचर: तुम्हारी इंग्लिश बहुत कमजोर है। स्टूडेंट: क्यों झूठ बोल रही हो टीचर? टीचर: अच्छा ये बताओ बहरे को इंग्लिश में क्या कहते हैं? स्टूडेंट: उसे इंग्लिश में कुछ भी बोल दो कौन सा उसे सुनाई देने वाला है। पूरी क्लास जोर-जोर से हंसने लगी।

जेलर: कल तुम्हें फांसी होगी... बताओ तुम्हारी अंतिम इच्छा क्या है? कैदी: मैं तरबूज खाना चाहता हूं। जेलर: लेकिन ये तरबूज का मौसम नहीं है। कैदी। कोई बात नहीं, मैं इंतजार कर लूंगा।

गोलू: सर, मैं आपकी बेटी से 20 साल से प्यार करता हूं। लड़की के पिता: तो अब क्या चाहते हो? गोलू: शादी। लड़की के पिता: थैंक गॉड, मैंने सोचा शायद तुम पेंशन चाहते हो।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज्यादा करने का वादा कर देते हैं।

वृषभ

आज आपका दिन फेयरवेल रहेगा। किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज उन्हें किसी फेमस अकेडमी से जुड़ने का ऑफर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन

आज आपको मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा इसलिए मेहनत करते रहे। संचार माध्यम से कोई सूचना मिलेगी। काम के अतिरिक्त बोझ के कारण थका हुआ महसूस करेंगे।

कर्क

पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आज रुमानियत का मौसम जरा खराब लगता है, क्योंकि आपका साथी आपसे आज कुछ ज्यादा ही अपेक्षा करेगा।

सिंह

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। ज्यादातर काम समय से पूरे हो सकते हैं। घरेलू समानों पर खर्च बढ़ सकता है। आपके विचारों से अधिकारी थोड़े नाराज हो सकते हैं।

कन्या

आपको आज किसी से आर्थिक मदद भी मिल सकती है। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा।

तुला

आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

वृश्चिक

आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज सामने आई चुनौतियों को धैर्य के साथ आसानी से खत्म कर लेंगे। सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। अचानक फायदा होने के योग बन रहे हैं।

धनु

धनु राशि वाले आज खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे। व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनेंगे। विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग मिलेगा।

मकर

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएं, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा।

कुम्भ

आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है। अगर किसी इंटरव्यू में जा रहे हैं, तो सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

मीन
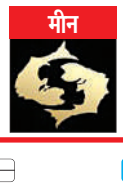
आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा जिससे आपको तरक्की मिलने की उम्मीद है। प्रॉपर्टी मामलों में मीन राशि वालों को आज फायदा होने की उम्मीद है।

अजय देवगन की भोला का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

दृश्यम 2 के सुपरहिट होने के बाद सुपरस्टार अजय देवगन अब फिल्म भोला लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है। एक्ट्रेस तब्बू के साथ भोला से अजय देवगन फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। एक्टर ने इश फिल्म को डायरेक्टर भी किया है।

कुछ समय पहले ही अजय देवगन ने अपनी मोस्ट अवेडेट फिल्म भोला का मोशन पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर को एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस मोशन पोस्टर से आप ये अंदाजा लगा सकते हैं कि अजय की ये फिल्म फुल ऑन एक्शन पैकेज होगी। पोस्टर में आप त्रिशूल, धमाकेदार बैक ग्राउंड म्यूजिक सुन सकते हैं। वहीं पोस्टर में अजय की झलक भी दिखती है, वह भस्म लगाते नजर आते हैं।

जहां कई लोगों को भोला का पोस्टर पसंद आ रहा है, तो वहीं कुछ लोग इसे लेकर एक्टर को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है-भाई आप फिल्मों का डायरेक्शन बंद कर दो। एक से एक घटिया मूवी डायरेक्ट की हैं आपने। दूसरे यूजर ने लिखा है कि एक और रीमेक, ये सिर्फ रीमके ही करते हैं विमल के साथ। इस तरह से तमाम यूजर्स सोशल मीडिया पर अजय देवगन को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। अजय देवगन की फिल्म भोला साउथ सुपरस्टार कार्थी शिवकुमार की सुपरहिट फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है। साल 2019 में आई तमिल फिल्म कैथी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। मोशन पोस्टर के साथ भोला के टीजर की अनाउंसमेंट भी हुई है।

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान के नाम एक और खिताब

हिंदी सिनेमा के किंग खान शाहरुख खान ने अपने नाम नया खिताब दर्ज कराया है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जाएगा। शाहरुख खान को जेद्दा में फेस्टिवल के दूसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में पुरस्कार दिया जाएगा।
शाहरुख खान को फिल्म इंडस्ट्री में 100 से अधिक फिल्मों में करने के लिए खास सम्मान दिया जाएगा।
शाहरुख खान फिल्म इंडस्ट्री में लगभग तीन दशक से काम कर रहे हैं।
शाहरुख खान दुनियाभर के सफल एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। सऊदी अरब में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल की शुरुआत 1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक होगी। इस फेस्टिवल में दुनियाभर के सितारें शामिल होंगे।

यहां 41 भाषा और 61 देशों की 131 फीचर और शॉर्ट फिल्मों को प्रदेशन किया जाएगा। शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही फिल्म पठान में नजर आएंगे। फिल्म पठान में दीपिका पादुकोण उनके साथ लीड रोल में नजर आएंगी। शाहरुख खान के जन्मदिन पर फिल्म की पहली झलक शेयर की गई थी। फिल्म के एक्शन सीन और ङ्कस्न्रङ्ग को काफी पसंद किया गया है। शाहरुख और फिल्म मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस कर सकती है।

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड | मन की बात

'मी टू' का फायदा उठाने वालों का पूजा बेटी ने किया खुलासा

जब 'मी टू' ' अभियान चला उस समय अभिनेत्री पूजा बेदी ने बहुत जोरदार तरीके से गलत तरीकों से प्रताड़ित किए जा रहे पुरुषों के लिए आवाज उठाई। अब वह एक बार फिर इसी मुद्दे पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म इंडियाज सन्स-ए टेल ऑफ फाल्स रेप केस सर्वाइवर्स को लेकर जनता के बीच आई हैं। लंबे अरसे से चर्चा में रही इस डॉक्यूमेंट्री को डिजिटल जगत में रिलीज कर दिया गया है। इस मौके पर पूजा ने कहा कि महिलाओं के लिए जो कानून हैं, उससे उनकी सुरक्षा होनी चाहिए, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई इनका दुरुपयोग करके पुरुषों की जिंदगी बर्बाद कर दें। अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर एक परिचर्चा भी हुई, जिसका उद्देश्य बलात्कार कानूनों के दुरुपयोग पर एक संवाद शुरू करना और इन मामलों में दबे रह गए अनकहे सच को प्रकट करना रहा। परिचर्चा के दौरान पूजा बेदी ने बताया कि कैसे पुरुषों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है, निर्दोष पुरुषों के खिलाफ कानूनों का दुरुपयोग किया जा रहा है और रिपोर्टिंग कैसे पक्षपातपूर्ण है। अपने बयान का समर्थन करने के लिए उन्होंने कहा, आप उस महिला का नाम नहीं ले सकते जो एक पुरुष पर आरोप लगा रही है लेकिन पुरुष का नाम और फोटो उसके दोषी साबित होने से पहले ही दुनिया को दिखा दिया जाता है। बलात्कार, दहेज और यौन उत्पीड़न के झूठे मामले दर्ज कराने वाली महिलाओं के खिलाफ ज्यादा कार्रवाई भी नहीं की जाती है। फिल्म की निर्देशक दीपिका नारायण भारद्वाज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया जाता है लेकिन पुरुष दिवस पर विचार तक नहीं किया जाता है। यह प्रमुख रूप से प्रिंट मीडिया के कारण है कि पुरुषों पर ऐसे झूठे मामलों को गंभीरता से लिया जाता है। उन्होंने कहा कि कई बड़े ओटीटी प्लेटफार्म ने उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म की खूब सराहना की गई लेकिन जब इसे रिलीज करने की बारी आई तो उनकी हिम्मत नहीं हुई। ऐसा इसलिए क्योंकि झूठे मामलों में पुरुषों के उत्पीड़न पर देश की मीडिया का कभी ध्यान ही नहीं जाता।

जब एक तांत्रिक ने अमेरिका में मचा दिया था हाहाकार

प्राचीन काल में पूरी दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनके रहस्य को कोई आज तक नहीं सुलझा पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो अमेरिका से जुड़ा है। जहां एक बूढ़ी महिला के आने के बाद कुछ ऐसी घटनाएं होना शुरु हो गई थीं जिन्हें जानकर यकीनन आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यही नहीं इन घटनाओं ने पूरे अमेरिका में हाहाकार मचा दिया था। दरअसल, संयुक्त राज्य अमेरिका के जोर्जिया नामक प्रान्त के प्राचीन अभिलेखों में एक ऐसी तांत्रिक बूढ़ी महिला का जिक्र मिलता है। ये महिला इस इलाके में सिर्फ चार महीने तक रही, लेकिन इतने दिनों में यहां ऐसी घटनाएं हुईं जिससे लोग सहम गए।

अदअसल, आज से करीब 169 साल पहले यानी 13 नवंबर 1853 को एक बुढ़िया अपनी चार बिल्लियों के साथ आई और उसके बाद वह फोर्ट वेनिंग क्षेत्र के ट्रेलर पार्क के पास एक फूटे खण्डहर में डेरा डाल कर रहने लगी। ये बुढ़िया कहां से आई इसके बारे में कोई नहीं जानता था। उस तांत्रिक बुढ़िया को तमाम लोगों ने देखा और सभी ने यही समझा कि वह कोई भिखारिन अथवा कोई पागल औरत है जो यहां आकर रहने लगी है। इसलिए किसी ने उसके बारे में ज्यादा ध्यान नहीं दिया। जब उस विक्षिप्त समझी जाने वाली बुढ़िया से पूछा गया तो उसने अपना नाम डास डंकन बतलाया। बुढ़िया अपने को कुमारी बतलाती थी। बुढ़िया के बाल श्वेत और शरीर अस्थियों का ढांचा मात्र था। इसके बाद वह बुढ़िया भी गायब हो गई और वह धुन्ध भी छंट गई। लोगों का अनुमान था कि वह कोई तांत्रिक क्रिया जानने वाली महिला थी। चर्चा का विषय सदैव यह रहता था कि तांत्रिक बुढ़िया का डेरा उसी खण्डहर में है। वह वहीं गुप्त और प्रकट होती हुई डेरा डाले रहती है। हुआ यह कि लोगों ने उस खण्डहर को ही नष्ट कर डालने की ठानी और समूह बनाकर फावड़ा लेकर वहां पहुंचे। समूह अभी खण्डहर तक पहुंचने भी न पाया था कि एक भयंकर चक्रवात उस क्षेत्र में अचानक प्रकट हुआ, जिसने उन सभी को उछालकर पटक दिया। लोगों को काफी खासी चोटें आईं, पेड़ उखड़ गए, झोंपड़े उजड़ गए। यहां पर आश्चर्य इस बात का था कि वह तूफान खण्डहर व खण्डहर उखाड़ने वाले लोगों के इर्द-गिर्द ही घुमड़ता रहा और पन्द्रह मिनट तक उन्हें त्रास देने के उपरान्त स्वत: ही समाप्त हो गया। लगातार चार महीने तक यह उथल-पुथल बराबर चलती रही।

अजब-गजब | यहां सदियों से निभाई जा रही है अनोखी परंपरा

कांटों के बिस्तर पर लेटते हैं लोग

भले ही आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं और सैकड़ों साल पुरानी तमाम परंपराओं को छोड़ने लगे हों, लेकिन आज भी दुनिया के कई ऐसे स्थान है जहां आज भी लोग सदियों पुरानी परंपराओं को निभाते आ रहे हैं। दरअसल, ये लोग सत्य की परीक्षा के लिए कांटों के बिस्तर पर लेटते हैं। हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के बैतूल में रहने वाले रज्जढ़ समुदाय के बारे में। जहां के लोग अपने आप को पांडवों का वंशज मानते हैं। इसीलिए पांडवों के ये वंशज हर साल अगहन मास यानी नवंबर दिसंबर के महीने में जश्न मनाते हैं इस दौरान वह दु:ख जताते हैं और कांटों के बिस्तर पर लेटते हैं।

इस अनोखी परंपरा को निभाने के लिए गांव में एक स्थान पर कांटों का बिस्तर बनाया जाता है। ये कांटों का बिस्तर इनके लिए सेज के समान होता है। बेरी के कंटीली झाड़ियों से बने बिस्तर पर पांडवों के ये वंशज आसानी से लेट जाते हैं। इस समुदाय के नए युवा भी अपने बुजुर्गों की इस परंपरा को निभाते हुए फक्र महसूस करते हैं। उनकी मानें तो कांटे होते तो बहुत नुकीले हैं लेकिन उन्हें इनके कंटीले होने का अहसास नहीं होता और न ही इन पर लेटने से कोई तकलीफ होती।

बता दें कि बैतूल के सेहरा गांव में रहने वाले रज्जढ़ में सदियों से कांटों पर लोटने की परंपरा निभाई जा रही है। इस समुदाय के लोगों का मानना है कि पांडवों के वनगमन के दौरान एक घटना हुई थी, जिसके मुताबिक, एक बियाबान जंगल में पांडवों को प्यास ने कुछ ऐसे घेरा की महाबली भाइयों की जान पर बन आई। सभी का गला प्यास से सूखने लगा। हलक में कांटे चुभने लगे, लेकिन एक कतरा पानी भी उन्हें न मिला। पानी की तलाश में भटकते पांडव परेशान हो चुके थे। ऐसे में उनकी मुलाकात एक नाहल समुदाय से हुई। नाहल समुदाय के लोग जंगलों में भिलवा इकट्ठा कर उससे तेल निकालने का काम किया करते थे। प्यास से परेशान पांडवों ने नाहल से पानी की मांग की, तो नाहल ने उनके सामने ऐसी शर्त रख दी जिसकी हिम्मत कोई नहीं कर सकता था। नाहल ने पानी के बदले पांडवों की बहन जिसे रज्जढ़ भोंदई बाई के नाम से पुकारते हैं का हाथ मांग लिया। रज्जढ़ो की मानें तो पानी के लिए पांडवों ने अपनी बहन भोंदई की नाहल के साथ शादी कर दी। उसके बाद ही उन्हें पानी मिल पाया। ऐसा कहा जाता है कि अगहन मास में पूरे पांच दिन रज्जढ़ इसी वाकये को याद कर गम और खुशी में डूबा रहा। वे खुद को पांडवों का वंशज मानकर खुश होते हैं तो इस गम में दुखी होते हैं की उन्हें अपनी बहन को नाहल के साथ विदा करना पड़ेगा। इस परंपरा को निभाने के लिए गांव में शाम के वक्त लोग इकट्ठे होते हैं और बेरी की कंटीली झाडियां इकट्ठी कर उन्हें एक मंदिर के सामने लेकर आते हैं। यहां झाड़ियों को बिस्तर की तरह बिछाया जाता है और फिर उस पर हल्दी के घोल का पानी सींच दिया जाता है। इसके बाद सभी रज्जढ़ नंगे बदन इन कांटों से बने बिस्तर पर लेट जाते हैं। साथ ही इस बिस्तर पर ये लोग गोल-गोल घूमते हैं।

मैनपुरी सीट पर चल रही सहानुभूति की लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में प्रचार की गहमागहमी रोज-ब-रोज बढ़ती जा रही है। क्षेत्र में हर तरफ समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव की जीत सुनिश्चित बताई जा रही है। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त इस लोकसभा सीट पर सहानुभूति की लहर भी चल रही है। मैनपुरी में इस समय समाजवादी पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता चुनाव प्रचार में स्वत: स्फूर्त ढंग से लगे हैं। महिलाएं भी बड़ी संख्या में डिंपल के लिए प्रचार कर रही हैं। इस चुनाव की विशेषता है कि यहां प्रचार में लगे सभी लोग शालीनता के साथ मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं।

» सपाई बोले- झांसे में न आए, मतदान के दिन सतर्क रहें

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, वरिष्ठ नेता प्रो. रामगोपाल यादव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने जसवंतनगर में हुई जनसभा में सभी पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं से अपील भी की है कि वे किसी भी उत्तेजना के शिकार न हो। 5 दिसंबर 2022 को मतदान के दिन विशेष सतर्क रहें। कोई अभद्रता करे तो भी उसका उसी तरह जवाब न दे। उन्होंने कहा कि सत्तापक्ष के झांसे में हमें नहीं पढ़ना चाहिए। यह तो सभी मान रहे हैं कि मैनपुरी का उपचुनाव लोकतंत्र की दिशा भी तय करेगा, इसलिए डिंपल को इस बार रिकार्ड मतों से जिताकर भाजपा की तमाम साजिशों को विफल करने में प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय दिन रात क्षेत्र में जमे है। वे हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। मैनपुरी में इन दिनों पूर्व नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी, पूर्व मंत्री बलराम यादव एवं अवधेश प्रसाद विधायक, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, राकेश प्रताप सिंह, अरविन्द सिंह 'गोप', शैलेंद्र यादव 'ललई' जनसंपर्क कर मतदाताओं से डिंपल यादव को रिकार्ड मतों से विजयी बनाने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं। वैसे प्रदेश के कोने-कोने से, जिनका जरा भी मैनपुरी के किसी परिवार से सम्पर्क है, पार्टी कार्यकर्ता एवं नेता पहुंच रहे हैं। मैनपुरी के लिए प्रतिष्ठा के चुनाव में डिम्पल यादव के पक्ष में रामआसरे विश्वकर्मा, मिठाई लाल भारती, रेखा वर्मा, चंद्र प्रकाश, मुकेश वर्मा, राजेन्द्र कुमार, सर्वेश अम्बेडकर, डॉ. राजपाल कश्यप सहित युवा संगठनों के नेता-कार्यकर्ता मतदाताओं से मिलकर डिंपल यादव को ऐतिहासिक जीत से दिलाने की अपील कर रहे हैं। युवा प्रकोष्ठ के नेता सर्वश्री मोहम्मद फहाद, एक-एक मतदाता से मिलकर डिम्पल यादव को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए साइकिल चुनाव चिन्ह वाले बटन को दबाने की अपील कर रहे हैं। डिम्पल यादव के पक्ष में महिलाओं की टोलियां भी नामांकन के दिन से मैनपुरी पहुंचने लगी है।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही राजस्थान सरकार

» केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का गहलोत सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले हो रहे उपचुनाव की सरगर्मियों के बीच केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। एक ओर राजस्थान सरकार प्रदेशभर में शिक्षा को लेकर वाहवाही बटोर रही है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी नेता ने शिक्षा व्यवस्था पर ही सवाल खड़े किए हैं। केंद्रीय मंत्री मेघवाल का आरोप है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शासन में राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था बदहाल है।

प्रदेश की सरकारी स्कूलों में न तो पूरे शिक्षक हैं और न ही स्कूलों के भवन बने हैं। बच्चे बिना पढ़ाई व शिक्षक के परीक्षा देने को मजबूर हैं। शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली राजस्थान की कांग्रेस सरकार बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। शेखावाटी इलाके के सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव की कमान मेघवाल संभाल रहे हैं। वे प्रशासनिक सेवा काल के दौरान चूरू जिले में कलेक्टर रहे थे। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने सरदारशहर उपचुनाव में जीत हासिल करने की जिम्मेदारी इन्हें सौंप रखी है। यहां दलित वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए मेघवाल हरसंभव जतन कर रहे हैं। पार्टी को उनके नाम का फायदा भी मिल रहा है। अर्जुन मेघवाल के अलावा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बढ़ते अपराधों को लेकर गहलोत सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हिंदू संस्कृति और उसके प्रतीकों पर लगातार हमले करवाए जा रहे हैं। यह सब एक खास वोट बैंक को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

नीतीश कुमार को जनता से नहीं कुर्सी से मतलब : प्रशांत किशोर

पुराने और नए नीतीश में जमीन आसमान का अंतर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर नीतीश कुमार पर अक्सर निशाना साधते नजर आते हैं। कभी उनकी और नीतीश की दोस्ती के चर्चे हुआ करते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश के लिए चुनाव प्रचार किया था। अब प्रशांत किशोर मुख्यमंत्री नीतीश का विरोध करते हैं। एक वार्ता में उन्होंने कहा कि पुराने और नए नीतीश में जमीन आसमान का अंतर है। इस अंतर को उन्होंने बताया है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि साल 2104-15 के नीतीश कुमार और साल 2022 के नीतीश में जमीन आसमान का फर्क है। 2014 में नीतीश चुनाव नहीं हारे थे। लोकसभा में उनकी सीटें कम हो गई। 40 में उनको दो सीट मिली थी। वह मुख्यमंत्री थे, लेकिन उन्होंने पक्ष छोड़ दिया। 2014 के पहले के ट्रैक रिकॉर्ड देख लें तो सब जानते हैं कि बिहार में उनके कार्यकाल में बहुत सारा काम हुआ है। इसमें कोई शक की बात नहीं है, लेकिन 2020 में नीतीश कुमार चुनाव हार गए हैं। फिर भी की न कोई जुगाड़ बनाकर वह आज भी मुख्यमंत्री बने हुए हैं। प्रशांत किशोर बोले कि दोनों नीतीश कुमार में जमीन आसमान का फर्क है। मैंने जिस नीतीश के लिए प्रचार किया था वो ऐसे आदमी थी जिन्होंने बिना चुनाव हारे हुए पक्ष छोड़ दिया था। आज मैं जिस नीतीश के खिलाफ हूं वो ऐसे हैं कि चुनाव हारने के बाद भी कुर्सी पर फेविकोल लगाकर बैठे हुए हैं और मुख्यमंत्री बने हुए हैं। उनकी प्राथमिकता ये रह गई है कि मैं किसी भी तरह से मुख्यमंत्री बना रहूं बाकी जनता का कुछ भी हो। प्रशांत किशोर बोले कि जब नीतीश कुमार ने अच्छा किया था तो उनके समर्थन में खड़े थे। आज वो नहीं कर रहे तो उनके विरोध में खड़े हैं।

सिंगापुर जाने से पहले टेंशन में लालू यादव!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की सजा बढ़ाए जाने की मांग को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। लालू प्रसाद यादव को किडनी ट्रांसप्लांट के लिए सिंगापुर जाना है। ऐसे में कहीं उनकी मुश्किल न बढ़ जाए. बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में देवघर जिले के कोषागार से करीब 89.27 लाख की अवैध निकासी मामले को लेकर सीबीआई ने लालू की सजा बढ़ाए जाने को लेकर याचिका डाली थी।

दरअसल, आरजेडी सुप्रीमो चारा घोटाले मामले में दोषी पाए गए थे और सजा भी मिली लेकिन बीमारी का हवाला देकर उन्हें बेल दे दिया गया है। आज सुनवाई हुई जहां लालू यादव की ओर से उनके वकील प्रभात कुमार ने अपना पक्ष रखा। वहीं सीबीआई ने कोर्ट से निवेदन किया कि लालू और अन्य को कम सजा मिली है।

कोश्यारी को राज्यपाल नहीं मानते वह बीजेपी कार्यकर्ता : संजय राउत

» शिवाजी महाराज पर टिप्पणी से भड़की शिवसेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज पर दिए बयान से शुरू हुआ विवाद अभी थमा नहीं है। महाराष्ट्र में विपक्षी दल कोश्यारी के बयान का लगातार विरोध कर रहे हैं। साथ ही कुछ दलों को भाजपा पर निशाना साधने का मौका भी मिल गया है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक बार फिर राज्यपाल पर हमला बोला है।

संजय राउत ने कहा कि हम उन्हें राज्यपाल मानने को तैयार नहीं हैं। वह एक भाजपा कार्यकर्ता हैं। राउत ने आगे कहा कि सरकार को अपने शब्दों और आचरण में गरिमा दिखानी चाहिए, लेकिन सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले या सावित्रीबाई फुले पर बोलती है, क्या वे महाराष्ट्र का मजाक बनाना चाहते हैं? गौरतलब है कि राज्यपाल कोश्यारी के बयान पर सियासी घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना नेता राज्यपाल का इस्तीफा मांग रहे हैं। इससे पहले संजय राउत ने कोश्यारी की टिप्पणी को राज्य का अपमान बताया था।

बिना जांच-परख के निर्णय लेती है केंद्र सरकार: जयंत

जान-बूझकर गन्ना मूल्य घोषित नहीं कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में रालोद अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य जयन्त चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार बिना जांच-परख के निर्णय लेती है। देश के शहंशाह के कान में रात को कोई चिड़ियां फूंक मार जाती है, जिसके बाद वह कानून बना देते हैं। कृषि कानून, नोटबंदी और अग्निवीर भर्ती जैसे निर्णय देश को विकसित करने के बजाय पीछे धकेलने वाले हैं।

खतौली विधानसभा उपचुनाव में गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया के समर्थन में जयन्त चौधरी ने खतौली, रतनपुरी और मंसूरपुर क्षेत्र के 10 गांवों में नुक्कड़ सभा की। फुलत, मथेड़ी, अंबरपुर और भैंसी की जनसभा में कहा कि किसानों को आतंकवादी, नक्सलवादी कहने वाले अब उन्हीं की तरफ देख रहे हैं। भाजपा का काम है, पहले अपमान करो और फिर अहंकार से डराओ। देश-प्रदेश में उपभोक्ताओं के बहाने पूंजीपतियों, बड़े उद्यमियों के लाभ की योजना चलाई जा रही हैं। लंपी वायरस वैक्सीन के जरिए गुजरात की फर्म को लाभ दिलाया गया।

रायपुर नंगली, नावला की सभा में बोले, मुख्यमंत्री सहारनपुर में जनहित के बजाय कैराना पलायन का मुद्दा उठाकर गए हैं। जनता ने उन्हें मुखिया बनाया है, लेकिन संकुचित विचारधारा और खराब भाषा से प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। खानुपुर, हुसैनपुर बोपाड़ा, बेगराजपुर में कहा कि प्रदेश सरकार जान-बूझकर गन्ना मूल्य घोषित नहीं कर रही। यह चुनाव हार गए तो दाम बढ़ाने के बजाय घटा सकते हैं। कहा कि दस हजार रुपये कर्ज लेने वाले किसान के साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया जाता है जबकि कुछ लोग देश का करोड़ों रुपए लेकर भाग चुके हैं।

खतौली सीट जीते तो गन्ने का भाव बढ़कर मिलेगा

जयंत चौधरी ने कहा कि खतौली विधानसभा का उपचुनाव इस बार विशेष चुनाव है। विशेष परिस्थितियों में चुनाव हो रहा है। खतौली सीट पर विशेष नजर रहेगी, क्योंकि यहां मुजफ्फरनगर क्षेत्र की राजनीति का फैसला माना जाता है। आप इस बार ऐसा चयन करो, जिससे आपकी ताकत बनें। गांव अखलाकपुरा में आयोजित नुक्कड़ सभा में जयंत चौधरी ने कहा कि हम किसी की आलोचना नहीं करना चाहते हैं। अभी तक गन्ने का भाव घोषित नहीं किया गया है। सरकार पांच दिसंबर तक गन्ने का रेट घोषित नहीं करेगी। कहा कि अगर वे चुनाव जीत गए तो, पता नहीं गन्ने का भाव घोषित होगा या नहीं। जो पिछला था वही चला रहेगा। अगर वे चुनाव हार गए तो फर्क पड़ेगा। हम दावे के साथ कहते हैं कि निश्चित तौर पर किसानों को गन्ने का भाव बढ़कर मिलेगा।

फोटो: 4पीएम

नेताजी की याद में किया रक्तदान

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने पिता व सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को उनकी जयंती के अवसर पर याद किया और ट्वीट कर कहा कि धरतीपुत्र श्रद्धेय नेताजी की जयंती पर शत शत नमन। बता दें कि मुलायम सिंह यादव का बीते दस अक्टूबर को निधन हो गया था। वह अत्यंत सफल राजनेता थे जो कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर देश के रक्षामंत्री तक रहे। नेताजी की जयंती पर राजधानी लखनऊ के सिविल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नेताजी को याद कर रक्तदान किया।

झारखंड में आरक्षित कोटे से 77 फीसदी नियुक्ति होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 14 सितंबर को मंत्रिपरिषद की बैठक में स्वीकृत कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक में सन्निहित प्रस्ताव में संशोधन को स्वीकृति दे दी है। 2001 के मूल अधिनियम के प्रावधान विलोपित कर दिए गए हैं।

ज्ञात हो कि झारखंड में पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ा वर्गों के लिए) से जुड़े 2001 के मूल अधिनियम की धारा 4 (1) एवं 4(2) के प्रावधानों को विलोपित करते हुए उसे निम्न रूप से प्रतिस्थापित किया गया है। 4 (1)) के अंतर्गत किसी स्थापना में सेवाओं और पदों की सभी नियुक्तियां, जो सीधी भर्ती के द्वारा भरी जानी हो, निम्नलिखित रूप से विनियमित की जाएगी। खुली गुणागुण (मेरिट) कोटि से 23 प्रतिशत और आरक्षित कोटि से 77 प्रतिशत नियुक्तियां होंगी। आरक्षित कोटि की 77 प्रतिशत में से आरक्षित उम्मीदवारों को विभिन्न कोटियों की रिक्तियां निम्न तरीके से भरी जाएगा।

टीएमसी के 30 से ज्यादा विधायक भाजपा के संपर्क में

» बीजेपी का दावा- दिसंबर में बंगाल में होगा बड़ा खेला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में दिसंबर महीने में बड़ा खेला होगा। टीएमसी के 30 से ज्यादा विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी की सरकार रहेगी या नहीं यह बड़ा सवाल है।

बता दें कि नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी काफी दिनों से यह दावा करते आ रहे हैं कि दिसंबर में तृणमूल कांग्रेस की सरकार नहीं रहेगी। उन्होंने कहा है कि यह सरकार खुद ही गिर जाएगी। अब विधायक अग्निमित्रा ने यही दावा किया है। अग्निमित्रा ने दावा किया कि टीएमसी अब कमजोर हो रही है। टीएमसी के 30 से ज्यादा विधायक भाजपा के संपर्क में हैं और दिसंबर माह में कुछ बड़ा खेल हो सकता है। अग्निमित्रा ने कहा कि मैं एक सामान्य नेता हूं। हमारे शीर्ष नेतृत्व और विपक्ष के नेता कहते हैं कि जिस तरह से राज्य चल रहा है, सरकार डीए नहीं दे पा रही है, भुगतान करने में असमर्थ है, नौकरी नहीं मिल रही है, यह हमारे शीर्ष नेतृत्व और विपक्षी नेता अपने राजनीतिक अनुभव से कह रहे हैं। हम जो सुन रहे हैं, उससे दिसंबर में कुछ हो सकता है। उन्होंने टिप्पणी की कि दिसंबर में कई और बाघ, चीता, शेर और शेरनी पकड़े जाएंगे।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

कार पलटने से पांच की मौत, सात घायल

» लखीमपुर खीरी के पलिया में बड़ा सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि सात लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी के पलिया तहसील इलाके में भीरा मार्ग पर सड़क किनारे गड्ढे में फंसने की वजह से मंगलवार तड़के एक एसयूवी कार पलटकर खाई में जा गिरी। दर्दनाक हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। बताया गया है कि एसयूवी कार में 12 लोग सवार थे, जिसमें पांच लोगों ने दम तोड़ दिया।

12 लोग सवार थे एसयूवी कार में

सुक्खनपुर निवासी कार सवार राजू पाल ने बताया कि वह शाहजहांपुर से टैक्सी कार में सवार हुए थे। पलिया के आगे सड़क कटी थी। ड्राइवर को झपकी आई या नींद आई नहीं कह सकते। गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में फंसकर पलट गई, जिसमें उनके परिचित विनय समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों और पुलिस ने जेसीबी की मदद से गाड़ी को बाहर निकलवाया और राहत बचाव शुरू किया। मौके पर एसडीएम कार्तिकेय सिंह भी पहुंचे। हादसे की वजह की छानबीन की जा रही है।

पुलिया का गार्ड टूटने से हुई दुर्घटना

अतरिया के पास जिस जगह पर दुर्घटना हुई है वहां पर बनी पुलिया के दोनों तरफ के गार्ड बीते साल आई बाढ़ में टूट गए थे और तबसे उसे बनाया नहीं गया था। यहां सड़क भी मिट्टी कट जाने से पोल हो गई थी। उसे भी बालू भरकर काम चलाया जा रहा था। वाहनों के क्रास करते समय पुलिया का गार्ड न होने कारण कोहरे में चालक को दिखा नहीं और गाड़ी अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।